Class - 4
Subject - HINDI
पाठ – 8 सच्चा स्मरण

1. शब्दार्थ :–

आश्रम	–	प्राचीन ऋषि–मुनियों, गुरू–शिष्यों के रहने का स्थान
वद्	–	बोलो
मा	–	मत
प्रणाम	–	नमस्कार
विचित्र	–	अनोखा
आचरण करना	–	व्यवहार में लाना
चर	–	चलो
कुरू	–	करो
वत्स	–	बेटा
रटंत	–	रटकर याद करना
आशीर्वाद	–	आशीष

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. कौरवों और पांडवों के गुरू कौन थे?

उत्तर कौरवों और पांडवों के गुरू द्रोणाचार्य थे।

ख. गुरू जी ने जो पाठ पढ़ाया उसकी प्रथम पंक्ति क्या थी?

उत्तर गुरू जी ने जो पाठ पढ़ाया उसकी प्रथम पंक्ति थी – सत्यं वद् अर्थात् सच बोलो।

ग. सच्चे अर्थ में पाठ किसने याद किया?

उत्तर सच्चे अर्थ में पाठ युधिष्ठिर ने याद किया।

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. द्रोणाचार्य ने राजकुमारों को कौन–सा छोटा–सा पाठ पढ़ाया?

उत्तर द्रोणाचार्य ने राजकुमारों को यह छोटा–सा पाठ पढ़ाया –

सत्यं वद	–	सत्य बोलो।
धर्मं चर	–	धर्म पर चलो।
क्रोधं मा कुरू	–	क्रोध मत करो।

ख. दूसरे दिन किस राजकुमार को पाठ स्मरण नहीं था?

उत्तर दूसरे दिन युधिष्ठिर को पाठ स्मरण नहीं था।

ग. गुरू जी के पूछने पर सब राजकुमारों ने क्या किया?

उत्तर गुरू जी के पूछने पर युधिष्ठिर को छोड़कर सब राजकुमारों ने कहा कि उन्हें पाठ याद हो गया है।

घ. अन्य राजकुमारों तथा युधिष्ठिर के पाठ–स्मरण करने में क्या अंतर था?

उत्तर अन्य राजकुमारों ने सिर्फ रटकर पाठ याद किया था जबकि युधिष्ठिर ने पाठ की अच्छी बातों को अपने जीवन में अपनाया था।

ङ युधिष्ठिर ने देरी से पाठ–स्मरण करने का क्या कारण बताया?

उत्तर युधिष्ठिर ने देरी से पाठ–स्मरण करने का यह कारण बताया कि उसने सत्य बोलने और धर्म पर चलने का नियम निभाया पर क्रोध न करने का अभ्यास उससे तुरंत न हो पाया।

4. मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न 'रटने को ही पाठ स्मरण करना नहीं कहा जाता' – क्या आप युधिष्ठिर की इस बात से सहमत हैं? यदि हाँ तो क्यों? यदि नहीं तो क्यों नहीं?

उत्तर हाँ, हम युधिष्ठिर की इस बात से सहमत हैं क्योंकि बताई हुई बात को कोई भी रट लेता है किन्तु उन बातों का लाभ तभी होता है जब हम वैसा आचरण भी करें। पाठ की अच्छी बातों को अपने जीवन में अपनाना ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है।

5. सही विकल्प पर सही ( ) का चिह्न लगाइए।

क. दूसरे दिन पाठ न सुनाने पर गुरू द्रोणाचार्य –

युधिष्ठिर पर क्रोधित हुए।

युधिष्ठिर को बुद्धू समझने लगे।

आश्चर्य में पड़ गए पर चुप रहे।

ख. युधिष्ठिर दूसरे दिन पाठ नहीं सुना पाया, क्योंकि –

उसे क्रोध न करने का अभ्यास नहीं हो पाया था।

वह दिन–भर खेल–कूद करता था।

उसकी पुस्तक खो गई थी।

6. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

क. पहले दृश्य में कौरव–पांडव राजकुमार गुरू द्रोणाचार्य के आश्रम में विद्या ग्रहण कर रहे हैं।

ख. दूसरे दिन केवल युधिष्ठिर को पाठ स्मरण नहीं था।

ग. इतने छोटे–से पाठ को स्मरण करने में तुम्हें तीन दिन क्यों लग गए?

घ. गुरू जी ने युधिष्ठिर से कहा पाठ तो सचमुच अकेले तुमने ही स्मरण किया है।

7. किसने कहा, किससे कहा –

	वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
क.	किसी को भला–बुरा मत कहो, सुयोधन!	गुरू जी ने	सुयोधन से
ख.	लगता है, वही सबसे बुद्धू है।	सुयोधन ने	गुरू द्रोण से
ग.	मैं इस रटंत को पाठ–स्मरण करना नहीं मानता।	युधिष्ठिर ने	गुरू द्रोण से
घ.	पाठ तो सचमुच अकेले तुमने ही स्मरण किया है।	गुरू द्रोण ने	युधिष्ठिर से